







## स्पीड न्यूज़

दिल्ली की जनता को पीएम मोदी की गारंटी पर भरोसा : ज्योतिरेश्वर सिंह



रांची /प्रदेश अध्यक्ष ज्योतिरेश्वर सिंह ने कहा कि दिल्ली की जनता ने मोदी की गारंटी पर भरोसा कर दिल्ली की आवास मुक्त कर दिया है। दिल्ली के विधानसभा चुनाव परिणाम से यह सफल हो गया है कि

झूठ और पांचड़ की राजनीति अधिक दिनों तक नहीं चलती। जनता को बदलाव की राजनीति का सज्जबाग दिखा कर केजरीवाल ने दिल्ली के विकास पर ब्रेक लगा कर अपना शीशमहल देतेर दिखा किया था। इस शीशमहल को दिल्ली की जनता ने नेतृत्वात् कर पीएम मोदी के नेतृत्व में भारप्राय के प्रति विश्वास प्रकट कर सबका साथ सबका विकास के संकल्प को मजबूती दिया है। इसके लिए दिल्ली की जनता बधाई की पार है।

## दिल्ली में जीत पर विश्रामपुर में जुलूस

विश्रामपुर (पलामू)। दिल्ली में भारप्राय की बारेर जीत से उत्साहित



कार्यकर्ताओं ने विश्रामपुर में विजय जुलूस निकाला। जुलूस की शुरूआत बस स्टैंड से हुई। नगर भ्रमण के बाद जुलूस हाँस्प्रिटल बॉक पहुंचा, जहां सभा में बदल गया। इस दौरान भारप्राय कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को अवीर गुलाल लगाकर और मिठाड़ खिलाकर खुशी का इजहार किया। जम कर आतिशबाजी भी की। मौके पर वरीय भारप्राय नेता शिवदेव मिश्रा, बबन राम, मनीष कुमार, अनुज बीचरी, विकास चौधेरी, पक्ज लाल, महेंद्र कुमार, शकर चंद्रशेखरी, रजनीश चंद्रशेखरी, गोपाल सोनी, टिकू चंद्रशेखरी, राजेंद्र गुप्ता आदि उपस्थित थे।

## भृत्यावार को लेकर पंसस हुए आक्रोशित



वैनपुर पलामू। प्रखंड सभागार में उप प्रमुख सुनील सिंह के नेतृत्व में पंसस एकजूट हो गये हैं। सभी पंससों ने बताया कि अपर लीओ, बीड़ीओ आम जनता का शोषण करना बढ़ नहीं करते हैं त हम सभी पंसस के जनप्रतिनिधि एक साथ मिलकर तालाबंधी, धरने प्रदर्शन करेंगे। सभी पंसस ने बताया कि मोटेंजन, अलानिन, जाति प्रमाण पत्र, स्थानीय विधायक पत्र, भूमि व्यापित प्रमाण पत्र बनाने के लिए भारी भ्रकम राशि आम जनता से वसूली की जा रही है। सभी पंससों दिनों में नहीं मानी गयी तो हम सभी आंदोलन करेंगे। मौके पर तालीम बीधरी, सरिता देवी, कविता देवी, सोनी देवी, सुकुमरी, विश्रामपुर में अमरजीत कुमार आदि थे।

## वरदान वैटिरेबल ट्रस्ट ने स्कूली बच्चों के बीच चलाया जागरूकता अभियान



वैनपुर पलामू। वरदान वैटिरेबल ट्रस्ट जनहित में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सड़कों पर सावधान रहने की दिलायत दे रही है। ट्रस्ट ने स्कूली बच्चों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया। साथ ही लोगों को सभी फ्रैंडिंग नियमों का पालन करने की बात कही। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बच्चे को अपने माता-पिता को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन का संदेश देने की कहा। बच्चा को बचे रहे नियमों से यहां देखा जाएगा। इस अभियान के दौरान, बिना हेलमेट पहने हुए मोटरसाइकिल चालाकों को फूल देकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया और उन्हें साथ दिलाइ गई। इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करना और लोगों को जीवायात नियमों का पालन करने के लिए नियमों का पालन का संदेश देने की कहा।

## छहमूरान के पास कई बाहनों की जांच



मेदिनीनगर। यातायात प्रभारी समाल सहमद के नेतृत्व में छह मुहान के पास स्थान जांच अभियान चलाया गया। इसमें चार परियोगी वाहनों की जांच कर दी गयी। जिसमें दो परियोगी वाहन के कुछ चालक बैरेर हेलमेट और बिना लाइसेंस के कुछ थे। जिसमें से 10 बाइकों और 01 टैपों को जल्द कर शहर थाना परियोगी में सुरक्षार्थ रखा गया है। 01 ट्रक चालक जो नो एट्री में गाड़ी लाया था, उसे भी चालान के लिए भेज दिया गया है। शिवायर को 12 बाइक से 21,000 और टोटल चालान फाइन की राशि 37,000 रुपये आया है।

## मिशन समृद्धि ने बच्चों में बांटा भोजन



मेदिनीनगर। मिशन समृद्धि संस्था द्वारा संचालित समृद्धि की पाठालाला के कवरवा शाखा में मूड़ी सब्जी और बुंदिया का वितरण किया। उन बच्चों के अभिभावकों की भी भोजन का पैकेट दिया गया। इस पाठालाला में पढ़ रहे बच्चों के माता-पिता शिक्षा से हुए रहे। लेकिन अब वे लोग अपने बच्चों में हो रहे स्थेष्ठा से बहुत ही प्रभावित हैं। पाठालाला में इन बच्चों के माता-पिता विशेष रूप से माता जरूर आती हैं। चना-गुड़ उके बीच दूरी होने के कारण प्रतिदिन तो नहीं किंतु प्रायः वितरण किया जाता है जबकि समृद्धि की पाठालाला के जनकपुरी शाखा में बच्चों की नियमित रूप से चना गुड़ दिया जाता है। मौके पर अध्यक्ष श्रीवाराम, अलिहामा, बैंजी गुप्ता, वीणा राज, आशा शर्मा, रंजीता, शिल्पा गोस्वामी, बैंजी पांडे, ममता, शालिनी श्रीवास्तव, संधा शेखर आदि उपस्थित थे।

## थंबु पांडे के बदले नारायण साम के पास से राशन वितरण कराने की मांग



मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के बड़कागाव के कार्याधारियों ने चापायत के मुखिया प्रधानी की पाठालाला के बड़कागाव के आवेदन देकर आग्रह किया है कि डीलक शंघु पांडे के बदले नारायण साम के पास से राशन का वितरण कराया जाये। नारायण साम बेहतर तरीके से समयनुसार सभी को राशन वितरण करते हैं। इसलिए उन्हें ही आवेदन दिया जाये।

रांची, दिवार  
09.02.2025

## मेदिनीनगर

## किताब से अच्छा विद्यार्थियों का कोई दोस्त नहीं होता: घेयरमैन रो. अनुग्रह नारायण शर्मा

■ रेटरी स्कूल वैनपुर में 12वीं के छात्र-छात्राओं की विद्यार्थी तथा स्कूल-गार्ड प्रशिक्षण का समाप्ति

■ विद्यार्थी उंडे पाल परिवार, समाज, विद्यालय का जान बीचन करें : प्राचार्य अश्वेश कुमार पांडेय



स्कूल वैनपुर में 12वीं के छात्र-छात्राओं की विद्यार्थी तथा स्कूल-गार्ड प्रशिक्षण का समाप्ति





# त्रिकोणीय चुनाव में भाजपा जीती, केजरी वाले हारे, कांगड़े स शून्य

मुख्यमंत्री

27 साल बाद भाजपा को दिल्ली की सत्ता मिल गयी। केजरीवाल की पार्टी और खुद के जरीवाल चुनाव हार गये। अपने के छह बड़े नेता हार गये। कांगड़े ने 14 सीटों पर आप को हराने और भाजपा को जिताने में मुख्य भूमिका निभाई।

2013 में दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल में संभावना देखी। 2015 में उन्हें अपार बहुमत देकर बड़ा मौका दिया और 2020 में मुश्त के बिजली, पानी, बेहरा रियास, स्वास्थ्य के लिए उठाए गए कदमों पर मुहर लगाते हुए देवारा भरोसा किया गया। अपार आदमी पार्टी और टीम केजरीवाल अपनी नैतिक आधारों की संभावना ने जिताना की चाप लगाता हुआ था। हालांकि, 2020 से 2025 के दौरान अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी रास्ता भटक गया था और आम आदमी पार्टी रास्ता भटक गया। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी सिर्फ हारी ही नहीं, बल्कि राजनीति में नैतिकता और शुचिता की नीति में भूमिका की स्थापना के जिया दावे के साथ इस कान्ना के गर्भ से जन्म हुआ था, कहाँ न कहाँ उन्से दूर होना इस पार्टी को ले डूबा। इस बार सिर्फ पार्टी ही नहीं, बल्कि निवाटमान मुख्यमंत्री आतिशी और मंत्री

गोपाल राय को छोड़कर कमोबेश आप के सभी बड़े नेता चुनाव हार गए। वरना वही बीजेपी, वही नेत्रों मोटी और वही अमित शाह 2015 और 2020 में भी तो थे। तब भी पूरा जोर लगाया गया था, लेकिन अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का नई और अलग राजनीति का नारा भाजपा की संगठन शक्ति, उसके नेताओं की चमक, साधन, संसाधन और तंत्र बल पर भारी पड़ा था। मुस्तखोरी की राजनीति को नकार कर विकास को बोट किया।

केजरीवाल ने जिताना को पीछे चलने वाली भीड़ समझ लिया

अगर आम आदमी पार्टी और टीम केजरीवाल अपनी नैतिक आधारों नहीं खोते तो उनकी जीत की संभावनाओं पर कोई संशय नहीं होता। दूरअसल 2013 से दिल्ली की राजनीति में मिलने वाली अपार लोकप्रियता से अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के अपार जीवंतों को लगाया था। उन्होंने जिताना को अपने पीछे चलने वाली भीड़ समझ लिया। ये भूल गए कि जिनकी फिरी व्यक्ति को बोट की बीच कर्तव्य था। उन्होंने जिताना को अपने पीछे चलने वाली भीड़ समझ लिया।

राजनीतिक साख घर असर

इसी दौर में कथित शराब घोटाले और

अरविंद केजरीवाल और आप ने शुरू किया किया और बीजेपी-कांगड़े दोनों को हमले का मौका दिया। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, संतोष जेन की निरपत्ती और जेन यात्रा ने भाजपा को और ज्यदा हमलाकार होने का मौका दे दिया।

अति आत्मविश्वास और अहंकार

2013 में दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल में संभावना देखी। 2015 में उन्हें अपार बहुमत देकर बड़ा मौका दिया और 2020 में मुश्त, बिजली, पानी, बेहरा रियास, स्वास्थ्य के लिए उठाए गए कदमों पर मुहर लगाते हुए देवारा भरोसा किया गया। अपार 2020 में मुश्त, बिजली, पानी, बेहरा रियास, स्वास्थ्य के लिए उठाए गए कदमों पर मुहर लगाते हुए देवारा भरोसा किया गया। अपार जीवंतों की टीम बताने से आप की राजनीति का साख घर पर भी खराब असर पड़ा। निरपत्ती होने और जेल जाने के बावजूद मुश्यमंत्री पद से पद्मपत्र न देकर अरविंद केजरीवाल ने सार्वजनिक नैतिकता और राजनीतिक साख की सार्वभौमिक मूल्य के स्वयंघोषित संकल्प को तार-तार कर दिया।

बड़ी भूल इसके बारे रही सही कर्सर तब पूरी हो गई, जब केजरीवाल ने इस्तीफा देकर सिर्फ चुनाव तक आतिशी सिंह को मुश्यमंत्री बन दिया। इसकी जह अगर केजरीवाल गिरफतार होते ही इस्तीफा देकर आतिशी को पूर्णाकालिक मुश्यमंत्री बना देते तो उनकी नैतिक आधारों की जीत में बदल रही है। जबकि केजरीवाल अपने नाराज नेताओं को भी नहीं संभाल सके। भाजपा की जीत में कांगड़े का भी गिलहरी वाला योगदान रहा, जो खुद जीतने से ज्यादा आप को हराने के लिए लड़ रही थी।

दिल्ली ने तो वैश्विक गरिमायुक्त शहर बनाने की चुनौती अब भाजपा को हैं जिस पर आप यात्रा के बावजूद रही थी, और महिला, मध्यम वर्ग का बड़ा समर्थन वाह मान-अपमान से उपर हो जाता है। बिहार चुनाव के पहले भाजपा के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है।

लक्षण का उदाहरण देते हुए स्वामी जी ने बेटे की शादी पर दान किये दस हजार करोड़

## अडानी ने बेटे की शादी पर दान किये दस हजार करोड़



परमार्थ के विचार सेवा साधन है, सेवा प्रार्थना है और सेवा ही नहीं जीत वाली अपार लोकप्रियता से अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के अपार जीवंतों के बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया। ये भूल गए कि जिनकी फिरी व्यक्ति को बोट की बीच कर्तव्य था। उन्होंने जिताना को अपने पीछे चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

खर्च किया जाएगा। इस पहल से समाज के सभी वर्गों को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

अपने बेटे की शादी के साथ इस के साथ अन्य अवधारणा के गर्भ से जन्म हुआ था,

रुपेड़ी और दाने के बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और साथी को बोट की बीच चलने वाली भीड़ समझ लिया।

उनके दान का बड़ा हिस्सा साथी और स









## बेरमो : 22 फरवरी को आयोजित होने वाले विशेष लोक अदालत को लेकर बैठक

खबर मन्त्र संचादनात

**बेरमो/तेनुघाट।** सर्वोच्च न्यायालय, एवं प्रधान जिला जज बोकारो के निर्देश पर 22 फरवरी को होने वाले चेक बाउस को लेकर स्पेशल लोक अदालत को लेकर तेनुघाट व्यवहार न्यायालय परिसर में पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक किया गया। बताते चले कि स्पेशल लोक अदालत की सफलता को लेकर केले एवं व्यवहार न्यायालय के कुटुंब न्यायालय बोकारो अस्विद कुमार की अमुवाई में अनुमंडल के पुलिस प्रशासन के साथ उक्त बैठक की गई। जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी ने बताया कि 22 तारीख को होने वाले स्पेशल लोक अदालत जो चेक बाउस को मामले के लिए हो रहा है। उस मामले में जो भी नोटिस जारी किया जा रहा है उस पर



त्वरित कार्रवाई करें ताकि मामले का निष्पादन हो सके। एसोइएम मनोज कुमार प्रजापति ने स्वायत अदालत में मामलों का निष्पादन करने में प्रशासन ने अहम भूमिका निभाई थी और आज भी अहम भूमिका निभा कर मामले का बाउस को लेकर स्पेशल लोक अदालत लगाया जा रहा है। इस मामले के जो भी नोटिस या बारंट न्यायालय से भेजा जाएगा उस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। ताकि मामले का निष्पादन किया जा सके।

